राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

M.P.A in KATHAK – IInd YEAR – IIIrd SEM - REGULAR

2021 - 22

No	Subject Nature	Mid Term With Attendance	End Term	Total & Mark%	Min Mark%
1.	**A. CORE SUBJECT** **Kathak Theory Core 1** 1. History and Development of Indian Dance- C1-MDK-305 2. Essay composition rhythmic pattern and principal of practical -C1-MDK-102	 30 30	 70 70	 100 100	 36% 36%
2.	**Technical Course Practical Core 2** 3. Demonstration & Viva –C2-MDK-307 4. Stage Performance -C2-MDK-308 5. Lecture Demonstration -C2-MDK-309	 30 30 30	 70 70 70	 100 100 100	 36% 36% 36%
	GRAND Total Credits & Hours				

एम.पी.ए. (नियमित)
विषय–कथक नृत्य
शास्त्र– प्रथम प्रश्न पत्र
सेमेस्टर–3

कथक नृत्य का इतिहास एवं विकास

(History and Development of Indian Dance)

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

(अ) भारतीय नृत्य कला का इतिहास–पूर्व मध्य एवं मुगलकाल में भारतीय नृत्य कला के विकास की जानकारी।

(ब) कथक नृत्य के घराने एवं उनकी शैलीगत विशेषताएं:– लखनऊ एवं बनारस घराना।

इकाई–2

(अ) कत्थक नृत्य में अभिनय अंग का महत्व।

(ब) आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र एवं आचार्य नन्दिकेश्वर के अभिनय–दर्पण में वर्णित हस्त मुद्राओं का अध्ययन।

इकाई–3

(अ) रासलीला की उत्पत्ति एवं विस्तृत अध्ययन तथा कथक नृत्य से उसका सम्बन्ध।

(ब) बैले की उत्पत्ति एवं पाश्चात्य नृत्यकला का अध्ययन।

इकाई–4

(अ) मृत्युलोक में शारदातनय के भाव प्रकाश के अनुसार नाट्य का प्रादुर्भाव।

(ब) बीसवीं शताब्दी में शास्त्रीय नृत्य की स्थिति।

इकाई–5

(अ) आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित "अभिनय दर्पण" के अनुसार गतिभेदों का विवरण।

(ब) संगीत रत्नाकर, नर्तन सर्वस्वम एवं आचार्य भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र के अनुसार सोलह श्रृंगार एवं बारह आभूषणों का अध्ययन।

एम.पी.ए. (नियमित)
विषय–कथक नृत्य
शास्त्र–द्वितीय प्रश्न पत्र
सेमेस्टर–3
निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्धात।
(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)
इकाई–1

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	: 30
प्रश्नपत्र	: 70
पूर्णांक	:100

1. नृत्य से सम्बन्धित सामान्य विषयों पर निबंध–
   (अ) गुरू शिष्य परम्परा एवं संस्थागत शिक्षण प्रणाली का तुलनात्मक अध्ययन।
   (ब) कथक नृत्य और नायिका भेद।
   (स) नृत्य के विकास में संचार माध्यमों की भूमिका।

इकाई–2

(अ) कथक नृत्य में भाव प्रदर्शन–ठुमरी एवं बैठकी भाव का अध्ययन।
(ब) जाति एवंयति भेदों का अध्ययन।

इकाई–3

(अ) नाट्य शास्त्र के अनुसार 61 से 108 तक करणों का विस्तृत अध्ययन।
(ब) नायिका भेदों का स्वभाव एवं अवस्था अनुसार विस्तृत अध्ययन।

इकाई–4

(अ) प्रायोगिक पक्ष में सीखी गई तालों लक्ष्मी, मत्ततात पर बोलों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।
(ब) दिए गए कुटाक्षरों पर आधारित नृत्य के बोलों की रचना करने की क्षमता।
जैसे:– तिग्धा, दिगदिग, धिलांग, किटतक, कुकु, झनझन, ता थेई, तत थेई, आ थेई तिग्दादिगदिग थेई।

इकाई–5

अ. निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दिए गए कथानकों पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता :–
(अ) सीताहरण (ब) खण्डिता नायिका।
कथानक, पात्र चयन, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूप सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस।

नोट–प्रायोगिक में

द्वितीय सेमेस्टर के ताल– बसंत और शिखर ताल।
तृतीय सेमेस्टर के ताल लक्ष्मी, ताल मत्त।

एम.पी.ए. (नियमित)
विषय–कथक नृत्य
प्रायोगिक 1 (वायवा / मंच प्रदर्शन)
(viva/ Stage Performance)
MPA – Lacture Demostration
सेमेस्टर–3

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

तीन ताल में गणेश परन, गजपरन, त्रिपल्ली, लयबांट आदि के साथ उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन की क्षमता। खंड, मिश्र एवं संकीर्ण जाति के बोल बन्दिशों का प्रदर्शन। किसी भी घराने की प्राचीन एवं घरानेदार दो बंदिशों का प्रदर्शन।

इकाई–2

गतभाव– द्रोपदी वस्त्र हरण

गतनिकास– मुरली के विभिन्न प्रकार

इकाई–3

कृष्ण वंदना अथवा सरस्वती वंदना पर भाव नृत्य प्रदर्शन।

ठुमरी, गजल अथवा चतुरंग पर भाव प्रदर्शन।

इकाई–4

निम्न में से किसी एक ताल पर नृत्य करने की क्षमता–

लक्ष्मी ताल, मत्त ताल

इकाई–5

1. आंतरिक मूल्यांकन– विषय के प्रति रूचि व ग्रहणशीलता, अन्य कक्षाओं में नृत्य अध्यापन की योग्यता।

प्रायोगिक–2
(मंच प्रदर्शन / वायवा)
(viva/ Stage Performance)
MPA – Lacture Demostration
सेमेस्टर–3

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

आमंत्रित दर्शकों के समक्ष उच्चस्तरीय नृत्य का मंच प्रदर्शन।

आवश्यक निर्देश :– आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी। (1) कक्षा में सीखे गये तोडे–टुकडे, बंदीश आदि का लिपीबद्ध विवरण / नोटेशन (2) विश्वविद्यालय / महाविद्यालय एवं नगर में आयोजित नृत्य कार्यकमों की रिपोर्ट। इन फाईल्स का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक को विद्यार्थियों की फाईल्स की ग्रेडिंग (श्रेणी) करके बाह्य परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करना होगा तथा छात्र–छात्राओं की उपस्थिति विवरण भी प्रस्तुत करना होगा, जिसके आधार पर बाह्य परीक्षक द्वारा अंतिम अंक मूल्यांकन किया जावेगा। जिस पर आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक, दोनों के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कथक नृत्य (डॉ. माया टाक)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
8. नृत्य निबन्ध (डॉ. पुरू दाधीच)
9. कथक प्रसंग (श्रीमती रश्मि वाजपेयी)
10. कथक ज्ञानेश्वरी (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
11. कथक नृत्य परंपरा (डॉ. प्रम दवे)
12. भारत के लोक नृत्य (प्रो. मोहम्मद शरीफ)
13. अभिनय दर्पण (डॉ. पुरू दाधीच)
14. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवानदास माणिक)
15. हिन्दी नाट्य शास्त्र (भाग 1,2,3,4) (प्रो. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री)
16. भारतीय नाट्य परम्परा में अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
17. अंग काव्य (पं. बिरजू महाराज)
18. अक्षरों की आरसी (डॉ. ज्योति बख्शी)
19. मध्य प्रदेश के लोक नृत्य।
20. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)